>

Title: Need to obtain approval of the Ministry of Environment and Forests for gauge conversion work on Balaghat-Jabalpur railway line in Madhya Pradesh.

श्री के.डी. देशमुख (बालाघाट): महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

महोदय, मैं मध्य प्रदेश के नक्सल प्रभावित जिले बालाघाट से आता हूं। बालाघाट जिला भारत के अति पिछड़े जिलों में आता है। वर्ष 1996-97 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अन्तर्गत गोंदिया से जबलपुर तक नेरोगेज से ब्राडगेज रेलवे लाइन की स्वीकृति रेल मंत्रालय द्वारा दी गयी थी। 15 वर्षों में इस ब्राडगेज का मात्र गोंदिया से बालाघाट तक का कार्य सम्पन्न हुआ है। बालाघाट से जबलपुर ब्राडगेज परिवर्तन का कार्य आज भी आधा-अधूरा पड़ा हुआ है। इस मार्ग पर अभी तक 500 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने वन्य प्राणियों को पेंच अभयारण्य से कान्हा अभयारण्य में आवागमन में बाधा उत्पन्न होने की आशंका से रेलवे कार्य रोक दिया है जिसे दो वर्ष हो चुके हैं। रेलवे मंत्रालय वन्य प्राणियों के आवागमन में उत्पन्न बाधाओं को दूर करने के लिए तैयार है तथा वन एवं पर्यावरण विभाग की सभी शर्तें मानने को तैयार है। वन्य प्राणियों को आवागमन में बाधा न हो, इस बाबत विकल्प का प्रस्ताव वन और पर्यावरण मंत्रालय को भेजा जा चुका है परंतु दुख है कि वन एवं पर्यावरण मंत्रालय रेलवे मंत्रालय को निर्माण कार्य की स्वीकृति देने में अनावश्यक विलंब कर रहा है जिससे मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र की जनता में तीव्र आक्रोश उत्पन्न हो चुका है। दो राज्यों को जोड़ने वाली रेलवे लाइन को शीघ्र पूरा करना अति आवश्यक है। अतः मैं आपके माध्यम से केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री जी से मांग करता हूँ कि रेलवे को निर्माण कार्य प्रारंभ करने की अविलंब अनुमति देने का कष्ट करें।

सभापति महोदय :

श्री राकेश सिंह का नाम श्री के.डी.देशमुख द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध किया जाता है।